(NO. OF PAGES: 3)

(FOR THE CANDIDATES ADMITTED DURING THE ACADEMIC YEAR 2021 ONLY)

21UHN303

REG.NO. :

N.G.M.COLLEGE (AUTONOMOUS) : POLLACHI

END-OF-SEMESTER EXAMINATIONS: DECEMBER-2022

ALL UG DEGREE COURSES **MAXIMUM MARKS: 70**

SEMESTER: III **TIME: 3 HOURS**

PART - I

21UH303- HINDI PAPER -III

SECTION A (10x1=10 MARKS)

ANSWER ALL THE QUESTIONS.

MULTIPLE CHOICE QUESTIONS. k1

सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए ।

1. कबीरदास की भाषा थी
   a. ब्रजभाषा b. . सधुक्कड़ी c. खड़ीबोली d. हरियाणवी

2. कबीरदास किस धारा के कवि है ?
   a. सगुण धारा b. निर्गुण धारा
   c. रीति मुक्त धारा d. इनमें से कोई नहीं है

3. कबीर के अनुसार व्यक्ति किस कारण सत्य की पहचान नहीं कर पाता है ?
   a. अपनी अज्ञानता से b. मूढता से
   c. दोनों सही है d.

:4. कबीर के पद शीर्षक पाठ साहित्य की विधा है
   a. पद्य b. दोहा c. छंद d. गद्य

5. निम्नलिखित कवियों में कौन सगुण भक्ति धारा का कवि नहीं है ।
   a. सूरदास b. नूर मोहम्मद c. नंददास d. छित स्वामी

ANSWER THE FOLLOWING IN ONE OR TWO SENTENCES.

6. भक्ति काल का यह नाम क्यों पड़ा ? **k1**
7. तुलसीदास का जन्म कब और कहां हुआ था ? **k1**
8. निर्गुण शाखा की विशेषता लिखिए । **k2**
9. सूफी कवियों की काव्य शैली क्या है ? **k1**
10. रामभक्ति शाखा की प्रमुख प्रवृतियां क्या क्या है ? **k2**

SECTION B (5x4=20 marks)

ANSWER EITHER (a) OR (b) IN EACH OF THE FOLLOWING QUESTIONS.

पद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए । k3

11. खेलन दूरि जात कत प्यारे ।
    जबतैं जनम भयौ है तेरौ तब ही तैं यह भाँति लला रे ॥
    कोउ आवति जुबती मिस करिकै , कोउ लै जात बतास कला रे ।

(CONTD….2)

अब लगि बचे कृपा दैवनिकी , बहुत गए मरि सत्रु तुम्हारे ॥
हा हा करि पाइँ तेरे लागति , अब जाने दूरि जाहु मेरे बारे !
सुनहु सूर जसुमति सुत बीधति , बिधिके चरित सबै हैं न्यारे ॥

(OR)

खेलनकैं मिस कुँवरि राधिका , नंद -महरिकै आई ।
सकुच -सहित मधुरे करि बोली , घर हौं कुंवर कन्हाई ॥
सुनत स्याम कोकिल -सम बानी , निकसे अति चतुराई ।
माता सौं कछु करत कलह हे , रिस डारी बिसराई ॥
मैया री ! तू इनकौं चीन्हति , बारंबार बताई
जमुना -तीर कल्हि मैं भूल्यौ , बाँह पकरि ले आई।

12 कबहूँ ससि माँगत आरि करे , कबहुँ प्रतिबिंब निहारि डरें।

कबहूँ करताल बजाइ के नाचत , मातु सबै मन मोद भरें ॥
कबहूँ रिसियाइ कहें हठि के , तब लेत सोई जेहि लागि अरें।
अवधेश के बालक चारि सदा तुलसी मन मंदिर में विहरें ॥

(OR)

हरनि पाप त्रिविध ताप सुमिरत सुरसरित ।
बिलसति महि कल्प -बेलि मुद , मनोरथ फरित ॥
सोहत ससि धवल धार सुधा सलिल -भरित ।
विमलतर तरंग लसत रघुवर केसे चरित ॥
तो बिनु जगदंब गंग कलिजुग का करित ?
घोर भव -अपार सिंधु तुलसी किमि तरित ॥

13. ज्यों नैननि में पूतरी , त्यौं खालिक घट माहि।
मूरख लोग न जानहीं , बाहरि ढूँढन जाहिं ॥
सतगुर हंमसी रीझि करि , कहा एक परसंग ।
बरसा बादल प्रेम का , भीजि गया सब अंग ॥

(OR)

हम न मरै मरिहै संसारा ।
हमकौं मिला जिआवनहारा।
साकत मरहिं सत जन जीवहिं ।
भरि भरि राम रसाइन पीवहिं ॥
हरि मरिहै तो हमहू मरिहै।
हरि न मरे हम काहकौ मरिहें ||
कहै कबीर मन मानहिं मिलावा।
अमर नया सुखसागर पावा ॥

14.. प्रेम न बारी ऊपजै , प्रेम न हारि बिकाई ।
राजा परजा जिहिं रुचै , सीस देइ लै जाइ ॥

(OR)

चरावत बृन्दावन हरि धैनु ।
ग्वाल सखा सब संग लगाए खेलत है करि चैनु ॥
कोउ गावत , कोउ मुरलि बजावत , कोउ बिषान , कोउ बैनु।
कोड निरतत , कोउ उघटि तार दै , जुरि ब्रज -बालक -सैनु ॥
त्रिविध पवन जहँ बहत निस -दिन , सुभ कुंज घन ऐनु।
सूर श्याम निज धाम बिसारत , आवत यह सुख लेनु ॥

(CONTD….3)

15. तिन्हहिं बिलोकि बिलोकति धरनी ।
दुहु सकोच समुचति बरवरनी ॥
सकुच सप्रेम बाल मृग नयनी ।
बोली मधुर वचन पिक बयनी ॥
सहज सुभाय सुभग तब गोरे

(OR)

पानी केरा बुदबुदा , अस मानुस की जाति ।
देखत ही छिप जाइंगे , ज्यौं तारे परिभाति ॥

SECTION – C (4 X 10 = 40 MARKS)

ANSWER ANY FOUR OUT OF SIX QUESTIONS .
(16th QUESTION IS COMPULSORY AND ANSWER ANY THREE QUESTIONS (FROM Qn. No : 17 to 21) .

16. हिन्दी साहित्य के इतिहास मे भक्तिकाल को स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है ? **K4**
17. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की कविता धारा का सारांश लिखिए | **k5**
18. मैथिली शरण गुप्त जी की कविता शुद्धि का सारांश लिखिए | **k5**
19. कुँवर नारायण कविता का सारांश लिखिए **k5**
20. भक्ति काल का उद्भव और विकास लिखिए **k4**
21. प्रेम मार्गी शाखा में जायसी का स्थान उल्लेख कीजिए । **k5**

****